23-2-2018

दिव्य हिमाचल 23-2-2018

झाड़ियों में बैग में बंद मिली दुधमुंही

कालाअंब के सैनवाला में फेंकी दो महीने की बच्ची; मासूम सुरक्षित, रिटायर्ड आरटीओ ने सुनी रोने की आवाज और बच गई जान

स्टाफ रिपोर्टर, कालाअंब

औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब के अंतर्गत आने वाले गांव सैनवाला में दो माह की एक बच्ची झाड़ियों में मिली है। जानकारी के अनुसार सैनवाला गांव में एक कलियुगी मां-बाप ने दो माह की बच्ची को कड़ाके की ठंड में मरने के लिए झाड़ियों में छोड़ दिया। कहते हैं कि जाको राखे साइयां मार सके न कोई। ऐसा ही कुछ इस दो माह की मासूम बच्ची के साथ हुआ। इस बच्ची की जान बचाने के लिए भी भगवान ने एक व्यक्ति को भेज दिया। गुरुवार सुबह की सैर पर निकला एक व्यक्ति इस बच्ची के लिए मसीहा बनकर आया। जानकारी के अनुसार जब सैनवाला में सड़क के किनारे सेवानिवृत्त एचएएस अधिकारी रामेश्वर सिंह हर रोज की तरह सैर पर निकले, तो उन्हें झाड़ियों से एक बच्ची के रोने की आवाज आई। जब उन्होंने झाड़ियों में देखा, तो वहां एक बैग पड़ा था। जब रामेश्वर सिंह ने बैग खोला, तो उनके होश उड़ गए, क्योंकि उस बैग में एक करीब दो माह की दुधमुंही बच्ची थी। अगर समय रहते रामेश्वर सिंह नहीं पहुंचते, तो शायद बच्ची दम तोड़ देती। भले ही सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के बारे में अभियान चलाकर प्रतिदिन लोगों को जागरूक कर रही हो, परंतु हकीकत में आज भी लोग बेटे और बेटी को समानता का दर्जा नहीं दे पा रहे। इस घटना से साफ जाहिर होता है कि लोग आज भी सरकार की बात मानने को तैयार नहीं हैं। पंचायत प्रधान सैनवाला संदीपक ने बताया कि रामेश्वर सिंह इस बच्ची को गोद लेने के लिए तैयार है। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बच्ची का डा. वाईएस परमार मेडिकल कालेज एवं अस्पताल नाहन में मेडिकल करवाया गया। पुलिस बच्ची को जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश करेगी। जिला बाल कल्याण समिति के फैसले के बाद ही बच्ची को गोद लिया जा सकता है अथवा बाल गृह भेजा जा सकता है।

23-2-2018

दिव्य हिमाचल 23-2-2018

अंशकालीन कर्मियों को दो साल की एक्सटेंशन

जयराम सरकार ने दिया तोहफा, 58 से बढ़ाकर 60 साल की सेवानिवृत्ति आयु

■ विशेष संवाददाता, शिमला

- 10 मई, 2001 से पहले रखे चतुर्थ श्रेणी कर्मी आएंगे दायरे में
- शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, वन, सिंचाई व राजस्व विभाग कर्मियों को लाभ

"हिमाचल सरकार ने यह राहत उन पार्ट टाइम वर्कर्स को दी है, जिनकी नियुक्ति 10 मई, 2001 से पहले हुई थी या वे इस अवधि या इसके बाद नियमितीकरण के दायरे में आए हों

डा. श्रीकांत बाल्दी, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त)

जयराम सरकार ने हजारों पार्टटाइम वर्करों के लिए एक बड़ा तोहफा प्रदान किया है। गुरुवार को जारी अधिसूचना में सरकार ने ऐसे हजारों चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की सेवानिवृत्ति आयु 58 से बढ़ाकर 60 साल करने का ऐलान किया है, जिनकी नियुक्ति 10 मई, 2001 से पहले पार्टटाइम आधार पर हुई थी या वे इस अवधि में या इसके बाद नियमित हुए थे। इस पूरी प्रक्रिया में एक बड़े वर्ग को सर्विस में दो वर्ष का लाभ मिल रहा है। यह बड़ा वर्ग लंबे अरसे से विभिन्न सरकारों के पास सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने की गुहार लगाता आया है। अब कहीं जाकर जयराम सरकार ने उनकी सुनी है। हालांकि अन्य चतुर्थ श्रेणी कर्मी पहले ही इसके दायरे में लाए जा चुके हैं, मगर अंशकालीन कर्मी इसके दायरे में नहीं थे। इनमें वाटर कैरियर व अन्य छोटा स्टाफ शामिल हैं। सबसे ज्यादा लाभ शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, वन, सिंचाई व राजस्व विभाग से जुड़े कर्मियों को मिलेगा। जाहिर तौर पर वर्ष 2019 में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए जयराम सरकार ने यह एक ऐसा तीर अपने तरकश में डाल लिया है, जो एक साथ कई निशाने भेद सकता है। इससे पहले सत्ता में आते ही भाजपा सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की आयु सीमा 80 से घटाकर 70 साल कर दी थी। इसके अलावा मातृत्व अवकाश की सीमा में भी बढ़ोतरी कर महिला वर्ग की वाहवाही लूटी थी। बहरहाल, सरकार के ताजा कदम से समाज के उस बड़े वर्ग को बड़ी राहत मिलने जा रही है, जो महंगाई के इस दौर में परिवार के भरण-पोषण के लिए बड़ी जद्दोजहद में जुटा है।

23-2-2018

हिमाचल दस्तक 23-2-2018

शिमला। राजधानी में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से मुलाकात करते विधानसभा अध्यक्ष राजीव बिंदल